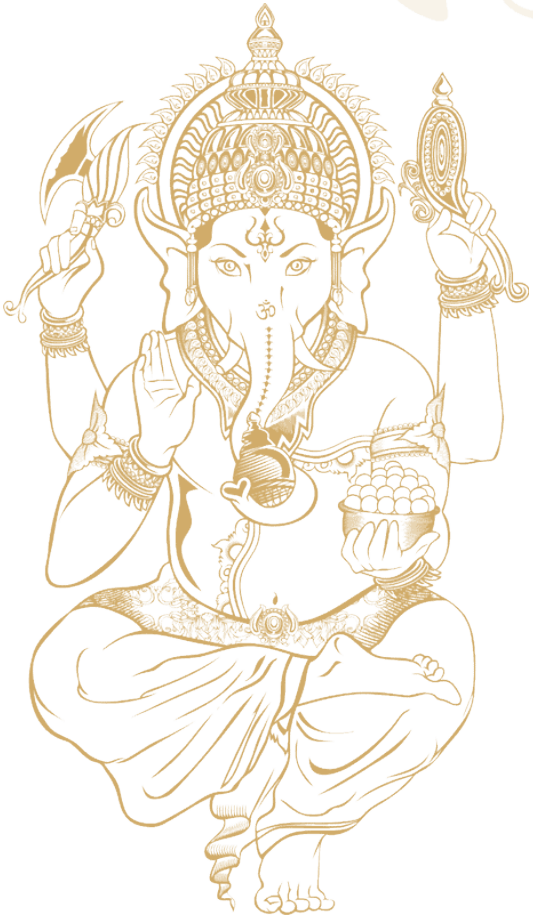

Mr. ???? ?????

25 Jun 1960

04:18 PM

Karera

Model: web-freekundliweb

Order No: 121423704

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25/06/1960**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:18:07 घंटे**
इष्ट	27:04:07 घटी
स्थान	**Karera**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:00:43 घंटे
वेलान्तर	-00:02:29 घंटे
साम्पातिक काल	10:15:02 घंटे
सूर्योदय	05:28:28 घंटे
सूर्यास्त	19:11:27 घंटे
दिनमान	13:42:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	10:33:22 मिथुन
लग्न के अंश	03:08:06 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ध्रुव
करण	बालव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	03:08:06	311:57:14	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मिथु	10:33:22	00:57:14	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	सम राशि
चंद्र			मिथु	24:47:54	11:51:28	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
मंगल			मेष	10:23:11	00:43:28	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			कर्क	04:27:05	00:35:54	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु	व		धनु	04:44:53	00:07:37	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शुक्र		अ	मिथु	11:18:59	01:13:44	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		धनु	22:41:02	00:04:16	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:04:36	00:11:31	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:04:36	00:11:31	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			कर्क	25:14:37	00:02:54	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	---
नेप	व		तुला	13:11:47	00:00:42	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
प्लूटो			सिंह	10:42:03	00:01:10	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
दशम भाव			सिंह	08:26:38	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:18:15

लग्न-चलित

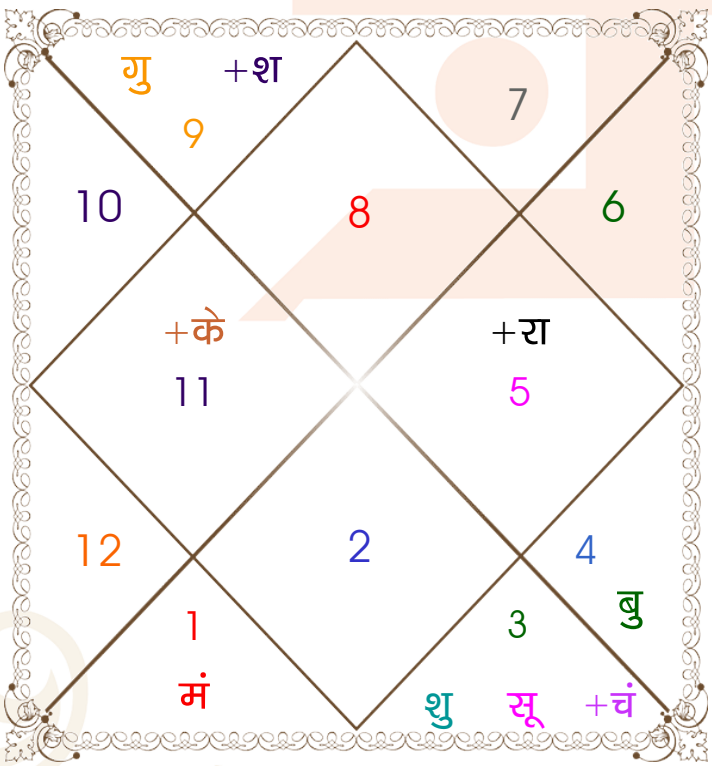

चन्द्र कुंडली

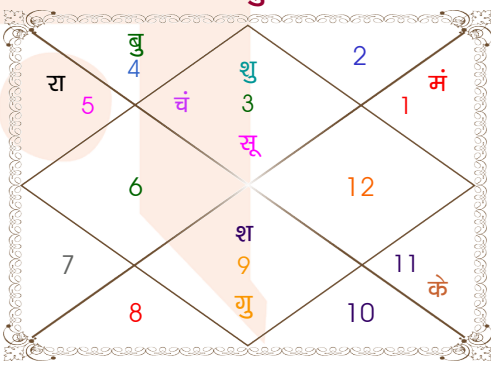

नवमांश कुंडली

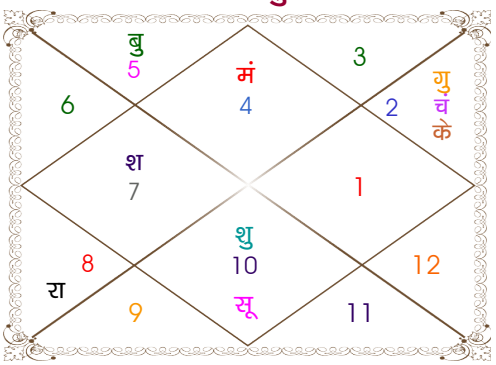

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 2 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/06/1960		22/09/1970		22/09/1989		22/09/2006		22/09/2013	
22/09/1970		22/09/1989		22/09/2006		22/09/2013		22/09/2033	
	00/00/0000	शनि	25/09/1973	बुध	18/02/1992	केतु	18/02/2007	शुक्र	21/01/2017
	25/06/1960	बुध	04/06/1976	केतु	15/02/1993	शुक्र	19/04/2008	सूर्य	22/01/2018
बुध	28/08/1961	केतु	14/07/1977	शुक्र	17/12/1995	सूर्य	25/08/2008	चंद्र	22/09/2019
केतु	04/08/1962	शुक्र	12/09/1980	सूर्य	22/10/1996	चंद्र	26/03/2009	मंगल	21/11/2020
शुक्र	04/04/1965	सूर्य	25/08/1981	चंद्र	23/03/1998	मंगल	22/08/2009	राहु	22/11/2023
सूर्य	22/01/1966	चंद्र	27/03/1983	मंगल	21/03/1999	राहु	10/09/2010	गुरु	23/07/2026
चंद्र	24/05/1967	मंगल	05/05/1984	राहु	07/10/2001	गुरु	17/08/2011	शनि	22/09/2029
मंगल	28/04/1968	राहु	11/03/1987	गुरु	13/01/2004	शनि	25/09/2012	बुध	23/07/2032
राहु	22/09/1970	गुरु	22/09/1989	शनि	22/09/2006	बुध	22/09/2013	केतु	22/09/2033

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
22/09/2033		22/09/2039		22/09/2049		22/09/2056		22/09/2074	
22/09/2039		22/09/2049		22/09/2056		22/09/2074		00/00/0000	
सूर्य	09/01/2034	चंद्र	23/07/2040	मंगल	18/02/2050	राहु	05/06/2059	गुरु	09/11/2076
चंद्र	11/07/2034	मंगल	21/02/2041	राहु	08/03/2051	गुरु	28/10/2061	शनि	24/05/2079
मंगल	16/11/2034	राहु	23/08/2042	गुरु	12/02/2052	शनि	03/09/2064	बुध	25/06/2080
राहु	11/10/2035	गुरु	23/12/2043	शनि	23/03/2053	बुध	24/03/2067		00/00/0000
गुरु	29/07/2036	शनि	23/07/2045	बुध	20/03/2054	केतु	10/04/2068		00/00/0000
शनि	11/07/2037	बुध	22/12/2046	केतु	17/08/2054	शुक्र	11/04/2071		00/00/0000
बुध	17/05/2038	केतु	23/07/2047	शुक्र	17/10/2055	सूर्य	05/03/2072		00/00/0000
केतु	22/09/2038	शुक्र	23/03/2049	सूर्य	21/02/2056	चंद्र	04/09/2073		00/00/0000
शुक्र	22/09/2039	सूर्य	22/09/2049	चंद्र	22/09/2056	मंगल	22/09/2074		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 2 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।